

# राजस्थान पत्रिका

www.rajasthanpatrika.com

January 13, 2017

पांचवां अंतरराष्ट्रीय हिन्दी साहित्य सम्मेलन

## हिन्दी हमारे हृदय की भाषा



अंतरराष्ट्रीय साहित्यिक सम्मेलन में सम्मानित साहित्यकार अतिथियों के साथ।

**चेन्नई.** आज के दौर में भले ही अंग्रेजी पेट की भाषा हो लेकिन हृदय की भाषा तो हिन्दी और अन्य क्षेत्रीय भाषाएं तमिल, तेलुगू आदि ही हैं। हिन्दी कैसे प्रेम की भाषा बनें इसके अधिकाधिक प्रयास होने चाहिए।

गोवा की राज्यपाल मृदुला सिन्हा ने यह बात कही। वे गुरुवार को तमिलनाडु हिन्दी साहित्य अकादमी तथा स्टेला मैरिस कालेज के हिन्दी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में स्टेला मैरिस कालेज में आयोजित दो दिवसीय पांचवें अंतरराष्ट्रीय साहित्यिक सम्मेलन के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा

हिन्दी को अपनी अम्मा (मां) के रूप में गले लगाते रहें। भारतीय एवं विदेशी भाषा में भी साहित्य का अनुवाद होना चाहिए।

जब तक हिन्दी भारत की भाषा नहीं बनती तब तक विभिन्न भाषाओं में अनुवाद का क्रम चलते रहना चाहिए। पुदुचेरी की उपराज्यपाल डा. किरण बेदी ने कहा दक्षिण के लोग हिन्दी तथा उत्तर के लोग अन्य क्षेत्रीय भाषाएं सीखें तभी हिन्दी बलवती हो सकेगी।

हम एक भाषा से जुड़ें। बेदी ने कहा, मां की भाषा कोई नहीं भूल सकता। काश, हमारी हिन्दी सारे देश में होती। उत्तर एवं दक्षिण की खाई

को मिटाने की दरकार है। दीप प्रज्वलन के बाद कालेज प्राचार्य डा. सिस्टर जेसिंता क्वाड्रस ने स्वागत भाषण दिया।

अकादमी की अध्यक्ष डा. निर्मला मौर्य ने अकादमी के लक्ष्य एवं उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा हिन्दीभाषियों को हिन्दी से जोड़ने, इसे जन-जन तक पहुंचाने तथा स्थानीय साहित्यकारों को देश की मुख्यधारा से जोड़ने को लेकर अकादमी काम कर रही है। अकादमी की महासचिव डा. मधु धवन ने अकादमी का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और कहा अब तक हुए सम्मेलनों में देश-विदेश से साहित्यकारों को बुलाया गया है।

### पारितोषिक वितरण समारोह

चेन्नई. तेरापथ जैन विद्यालय साहुकारपेट में पारितोषिक वितरण समारोह हुआ जिसमें करुणा क्लब व तमिल लिटरेरी क्लब के कार्यक्रमों के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र दिए गए। विज्ञान प्रदर्शनी एवं योग प्रतियोगिता में

विजेता रहे विद्यार्थियों को भी पुरस्कार दिए गए। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन छगनलाल धोका, प्रबंध न्यासी भंवरलाल मरलेचा, महासचिव गौतमचन्द डागा, संवाददाता गौतमचन्द बाफना, राजेन्द्र कुमार आंचलिया, गौतम सेठिया समेत अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।